**Seventeenth Loksabha**

an>

Title: Demand to release commemorative stamp in the honour of Veer Meghmaya.

**डॉ. (प्रो.) किरिट प्रेमजीभाई सोलंकी (अहमदाबाद पश्चिम):** सभापति जी, मैं आपके प्रति आभारी हूं कि आपने मुझे शून्य काल में बोलने की अनुमति दी ।

महोदय, एक हजार साल पहले गुजरात में जो पाटन राजधानी हुआ करती थी, वहां सिंहराज नाम के राजा थे । उस समय पानी की किल्लत होने की वजह से, उन्होंने वहां पर सहस्रलिंग लेक का निर्माण करवाया । उसके चारों ओर 1008 शिव मन्दिर बनवाए और उनमें शिवलिंग की स्थापना की, मगर उसमें पानी नहीं आया । तब राजा ने पण्डितों से पूछा कि इसका उपाय क्या है, तो बताया गया कि अगर उसमें कोई 32 लक्षणा पुरुष अपना बलिदान दे तो पानी भर सकता है । ऐसा 32 लक्षणा पुरुष गुजरात में रनौड़ा में धौलका के पास वीर मेघमाया थे, जो एक बुनकर परिवार, दलित परिवार में जन्मे थे । उन्होंने सामने से आकर, सामाजिक न्याय के लिए एक हजार साल पहले अपना बलिदान दिया और पानी मुहैया कराया । उसकी वजह से, उन्होंने मानव जाति, पशु-पक्षी एवं अन्य प्राणियों को नव-पल्लवित किया ।

आपके माध्यम से मेरी सरकार से मांग है कि वीर मेघमाया, जो बलिदानी पुरुष थे, की याद में भारत सरकार की ओर से एक डाक टिकट जारी किया जाए । मैं आपके माध्यम से सरकार से ऐसी गुहार करता हूं ।